सांध्य दैनिक
4PM
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 9 ● अंक: 105 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शनिवार, 20 मई, 2023
मूल्य ₹ 3/-
जिद...सच की

ज्ञान को लगातार सुधारना, चुनौती देना, और बढ़ाना होता है, नहीं तो वो गायब हो जाता है।

-पीटर ड्रकर

सचिन पायलट के मुद्दों की समीक्षा करेगी... 2 | पायलट की बागी उड़ान से कांग्रेस... 3 | सुप्रीम कोर्ट से अडानी को राहत... 7

सिद्धारमैया ने संभाली कर्नाटक की बागडोर

राज्यपाल ने दिलाई मुख्यमंत्री की शपथ

» विपक्ष के दिग्गज बने गवाह, खचाखच भरा स्टेडियम

» शिवकुमार उपमुख्मंत्री बनें, आठ कैबिनेट मंत्री भी शामिल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरू। सिद्धारमैया ने दूसरी बार कर्नाटक के मुख्यमंत्री पद की शपथ ले ली। वह राज्य के 30वें सीएम होंगे। उन्हें राज्यपाल थावरचंद गहलतोत ने शपथ दिलाई। वहीं डी.के. शिवकुमार उपमुख्यमंत्री बने। साथ ही आठ विधायकों ने भी मंत्री पद की शपथ ली।

बेंगलुरु में होने वाले इस शपथ ग्रहण समारोह में कांग्रेस के तमाम बड़े नेताओं के साथ विपक्ष के क्षेत्रीय दलों के दिग्गज भी शामिल हुए। इस भव्य समारोह की गवाह राज्य की जनता भी बनी। कांतीराव स्टेडियम में हजारों की भीड़ जुटी।

समारोह में राहुल गांधी और प्रियंका गांधी भी हुए शामिल

शपथ ग्रहण समारोह में कांग्रेस नेता राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा, मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ, नेशनल कांफ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला और राकांपा अध्यक्ष शरद पवार,तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन, मक्कल नीडि माईम के प्रमुख कमल हसन, राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ,पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती भी शामिल हुईं।

इन्हें बनाया गया मंत्री

सिद्धारमैया की कैबिनेट में 20 से 25 मंत्री भी शपथ ले सकते हैं। हालांकि, अभी 10 के ही नाम सामने आए हैं। इनमें जी परमेश्वर, रामलिंग रेड्डी, केजे जॉर्ज, एचके पाटिल, एमबी पाटिल, सतीश जरकीहोली, यूटी कधार, लक्ष्मी हेब्बलकर, टीबी जयचंद्र, एचसी महादेवप्पा के नाम शामिल हैं।

कर्नाटक से देश में अच्छा माहौल बनेगा : खरगे

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा है कि आज शपथग्रहन समारोह है। मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री सहित आठ विधायक मंत्रीपद के लिए शपथ लेंगे। मैं भी उसमें शिरकत के लिए वहां जा रहा हूं। यह खुशी की बात है कि कर्नाटक में नई सरकार, मजबूत सरकार आई है। इससे कर्नाटक का विकास होगा और साथ ही देश में अच्छा माहौल बनेगा।

राहुल गांधी ने जनता को दिया धन्यवाद

राहुल गांधी ने मंच पर आकर लोगों को संबोधित किया। उन्होंने एक-एक करके विपक्षी दलों के नेताओं का नाम लिया और उसके बाद सबका स्वागत किया। राहुल गांधी ने कहा कि कर्नाटक की जनता को कांग्रेस और अपनी ओर से धन्यवाद करता हूं। आपने पूरी तरह से कांग्रेस को समर्थन दिया। पिछले पांच वर्षों में आपने कौन सी

मुसीबतें सहीं, मैं समझता हूं। मीडिया में लिखा गया कि कांग्रेस यह चुनाव क्यों जीती? इस जीत का सिर्फ एक कारण है कि कांग्रेस पार्टी, गरीबों, दलितों, आदिवासियों और पिछड़ों के साथ है। हमारे पास सच्चाई थी और कर्नाटक के लोग थे। बीजेपी के पास धन-दौलत, पावर और पुलिस सबकुछ था। लेकिन कर्नाटक की जनता ने उनकी सारी ताकत को हरा दिया। उनके भ्रष्टाचार को हरा दिया। उनकी नफरत को हरा दिया। जैसे हमने यात्रा में कहा था कि नफरत को मिटाया, प्यार जीता। नफरत के बाजार से बीजेपी ने कर्नाटक में कई दुकानें खोलीं। पिछले पांच साल आपने भ्रष्टाचार सहा।

अफसरों की ट्रांसफर-पोस्टिंग का मामला फिर सुप्रीम दरबार में

» केंद्र सरकार ने फैसले पर पुनर्विचार की मांग की

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने 11 मई की संविधान पीठ के फैसले की समीक्षा के लिए सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि दिल्ली सरकार के पास राष्ट्रीय राजधानी में सेवाओं पर विधायी और कार्यकारी शक्ति है। बता दें कि केंद्र ने राष्ट्रीय राजधानी सिविल सेवा प्राधिकरण बनाने के लिए कल एक अध्यादेश लाया है।

इस अध्यादेश के जरिए केंद्र ने ट्रांसफर और पोस्टिंग के अधिकार उपराज्यपाल को दे दिए हैं। इस अध्यादेश के अनुसार, राजधानी में अधिकारियों का तबादला और नियुक्ति, नेशनल

सुप्रीम कोर्ट ने सुनाया था फैसला

गौरतलब है कि केंद्र सरकार द्वारा अध्यादेश जारी किए जाने से महज एक सप्ताह पहले ही सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रीय राजधानी में पुलिस, कानून-व्यवस्था और भूमि को छोड़कर अन्य सभी सेवाओं का नियंत्रण दिल्ली सरकार को सौंप दिया था।

केपिटल सिविल सर्विसेज अथारिटी (एनसीसीएसए) के माध्यम से होगी। इसमें कहा गया है कि एनसीसीएसए के अध्यक्ष दिल्ली के मुख्यमंत्री होंगे और मुख्यसचिव व गृह सचिव इसके सदस्य होंगे। वहीं आम आदमी पार्टीने शनिवार को आरोप लगाया कि दिल्ली में नौकरशाहों के तबादले से जुड़ा केंद्र का अध्यादेश असंवैधानिक है। उन्होंने कहा कि यह सेवा संबंधी मामलों में सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिल्ल्सी सरकार को दी गई शक्तियों को छीनने के लिए उठाया गया एक कदम है।

भाजपा से हर वर्ग परेशान, डबल इंजन की सरकार भी बेजान : अखिलेश

2024 के लोकसभा चुनाव में जनता सत्ता से करेगी बेदखल

» जैसे ही चुनाव समाप्त हुए महंगी हो गई खाद्य सामग्री

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि जबसे भाजपा सत्ता में आई है समाज का हर वर्ग परेशान है। किसान और गरीब सभी महंगाई की मार झेल रहे हैं। भाजपा की केंद्र और राज्य की डबल इंजन सरकारें जनता को सिर्फ झूठे आश्वासन दे रही हैं। जनता अब समझ चुकी है और वह भाजपा के बहकावे में आने वाली नहीं है। जनता वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को सत्ता से बाहर करने का इंतजाम कर रही है।

अखिलेश ने कहा कि जैसे ही चुनाव समाप्त हुए खाद्य सामग्री महंगी हो गई। अरहर की दाल 30 रुपये किलो महंगी हो गई। बेसन, चीनी, रसोई गैस के भी दाम बढ़ गए। किसान को फसल की लागत भी नहीं मिल रही है जबकि खाद, बीज, कीटनाशक आदि के दाम बढ़ रहे हैं। भाजपा के छल-छद्म का हाल इससे बुरा क्या होगा कि भाजपा ने अपने संकल्प पत्र के वादों का भी ख्याल नहीं किया। किसानों की आय 2022 तक दोगुणा करने के वायदे का क्या हुआ? सरकार के पास कोई जवाब नहीं है। गन्ना किसानों के भुगतान का भी वादा भाजपा ने भुला दिया। भाजपा सरकार का गरीबों, किसानों से कोई सरोकार नहीं है। वहीं सपा मुखिया शनिवार को गोरखपुर व बलिया जाएंगे। गोरखपुर में विनय शंकर तिवारी के घर श्रद्धांजलि देने जाएंगे। विनय शंकर के पिता हरिशंकर तिवारी का पिछले दिनों निधन हो गया था। इसके बाद बलिया जाएंगे। यहां समाजवादी युवजन सभा के निवर्तमान प्रदेश अध्यक्ष अरविन्द गिरि के पिता का पिछले दिनों निधन हो गया था। उनके घर भी शोक संवेदना व्यक्त करने जाएंगे। सपा मुखिया हेमन्त यादव के घर भी शोक प्रकट करने जाएंगे।

देर से समझ में आती है गलती

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने दो हजार रुपये के नोट पर केंद्र के फैसले पर कहा कि कुछ लोगों को अपनी गलती देर से समझ में आती है। दो हजार के नोट के मामले में भी ऐसा ही हुआ है, लेकिन इसकी सजा देश की जनता और अर्थव्यवस्था ने भुगती है। शासन मनमानी से नहीं, समझदारी और ईमानदारी से चलता है।

अखिलेश की ताई का निधन

सैफई। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव की ताई और पूर्व सांसद तेज प्रताप सिंह यादव की दादी समंद्रा देवी (84) का रात 3 बजे उत्तर प्रदेश आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय सैफई में इलाज के दौरान निधन हो गया। वह काफी समय से अस्वस्थ चल रही थीं। वह मुलायम सिंह यादव के बड़े भाई रतन सिंह यादव की पत्नी थीं। सैफई महोत्सव के संस्थापक रणवीर सिंह यादव की माता थीं। पारिवारिक सूत्रों के अनुसार उनका अंतिम संस्कार शनिवार को दोपहर 11 बजे होगा। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के परिवार के सभी सदस्य मौजूद रहेंगे। आसपास के जनपदों से बड़ी संख्या में लोग सैफई पहुंचना शुरू हो गए हैं।

सचिन पायलट के मुद्दों की समीक्षा करेगी कांग्रेस : राठौड़

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव एवं प्रदेश सह प्रभारी वीरेंद्र सिंह राठौड़ ने शुक्रवार को कहा कि पार्टी सचिन पायलट द्वारा उठाए गए मुद्दों की समीक्षा करेगी। उन्होंने कहा कि पार्टी नेताओं से बातचीत के जरिए सभी मुद्दों को सुलझा लिया जाएगा। राठौड़ शुक्रवार को जिला कांग्रेस कमेटी की समीक्षा बैठक में शामिल होने के लिए बाड़मेर में थे। राठौड़ ने संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि हर पार्टी के अपने आंतरिक संघर्ष होते हैं और सार्वजनिक रूप से उन पर चर्चा करने की आवश्यकता नहीं होती है। पार्टी नेता सचिन पायलट ने कुछ मुद्दे उठाए हैं और पार्टी इसे सुलझा लेगी।

राठौड़ ने गहलोत सरकार की प्रशंसा करते हुए कहा कि राज्य की कांग्रेस सरकार ने कई लोक कल्याणकारी योजनाएं शुरू की हैं, जो न केवल लोगों को लाभान्वित कर रही हैं, बल्कि उनका जीवन भी बदल रही हैं। उन्होंने कहा कि बढ़ती महंगाई में 500 रुपये में रसोई गैस सिलेंडर और 100 यूनिट मुफ्त बिजली का सरकार के निर्णय का जनता पर बड़ा असर पड़ा है। प्रेस कांफ्रेंस से पहले कांग्रेस कमेटी की बैठक को संबोधित करते हुए राठौड़ ने स्थानीय नेताओं से अपने स्तर पर इस मुद्दे को हल करने का आग्रह करते हुए कहा कि उन्हें दिल्ली पर निर्भर रहने की जरूरत नहीं है।

पाक जिम्मेदारी से आतंकवाद पर करे प्रहार

» प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बोले- भारत गरिमा की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

टोक्यो (जापान)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी-7 समूह के वार्षिक शिखर सम्मेलन और क्वाड समूह के नेताओं की बैठक में भाग लेने के लिए शुक्रवार को हिरोशिमा पहुंचे। यहां उन्होंने एक इंटरव्यू के दौरान कहा कि भारत, पाकिस्तान के साथ सामान्य संबंध चाहता है, लेकिन इसके लिए पाक को आतंकवाद से मुक्त अनुकूल वातावरण बनाने के लिए जरूरी कदम उठाने होंगे।

जापान के सामाचार पत्र के साथ एक इंटरव्यू में पीएम मोदी ने कहा कि भारत पाकिस्तान के साथ सामान्य द्विपक्षीय संबंध चाहता है। इसके लिए आतंकवाद और शत्रुता से मुक्त एक अनुकूल वातावरण बनाना आवश्यक है। यह पाकिस्तान की जिम्मेदारी है कि इस संबंध में जरूरी कदम उठाए जाएं। पीएम मोदी ने कहा कि भारत लगातार सीमा पार आतंकवाद को लेकर अपनी चिंता व्यक्त करता रहा है। साथ ही इस बात पर भी जोर दिया है कि आतंकवाद और वार्ता साथ-साथ नहीं चल सकते।

निक्केई एशिया के साथ एक इंटरव्यू में पीएम मोदी ने भारत और चीन संबंधों से जुड़े सवालों का जवाब देते हुए कहा कि भारत अपनी संप्रभुता और गरिमा की रक्षा के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि चीन के साथ सामान्य द्विपक्षीय संबंधों के लिए सीमावर्ती क्षेत्रों में शांती जरूरी है। भारत-चीन संबंधों का भविष्य आपसी सम्मान, संवेदनशीलता और आपसी हितों पर ही आधारित हो सकता है।

हमेशा से शांति के पक्ष में खड़ा है भारत

रूस-यूक्रेन संघर्ष में भारत की भूमिका के सवाल पर, पीएम मोदी ने कहा कि यूक्रेन विवाद पर उनके देश की स्थिति स्पष्ट और अटूट है। उन्होंने कहा कि भारत हमेशा से शांति के पक्ष में खड़ा है और दृढ़ता से खड़ा रहेगा। उन्होंने कहा कि हम उन लोगों का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध हैं जो अपनी बुनियादी जरूरतों को पूरा करने में चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। हम रूस और यूक्रेन दोनों के साथ संपर्क बनाए हुए हैं।

केंद्र का अध्यादेश जनादेश का अपमान : आप

» सुप्रीम कोर्ट के आदेश की अवमानना भी की

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने केंद्र सरकार का अध्यादेश सीधे तौर पर सुप्रीम कोर्ट के आदेश की अवमानना बताया है। दिल्ली सरकार के मुताबिक, सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में स्पष्ट तौर पर कहा था कि चुनी हुई सरकार सुप्रीम है। चुनी सरकार के पास सारी शक्तियां हैं। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के खिलाफ व केजरीवाल सरकार की ताकत को कम करने के लिए यह अध्यादेश लाया गया है।

देर रात दिल्ली सरकार की तरफ से जारी बयान में कहा गया है कि सुप्रीम कोर्ट ने माना था कि अगर जनता ने केजरीवाल को वोट दिया है तो केजरीवाल के पास सभी निर्णय लेने का अधिकार होना चाहिए। लेकिन केंद्र सरकार इस अध्यादेश के माध्यम से कह रही है कि दिल्ली के लोगों ने जिसे चुना है, उसे दिल्ली की जनता के हक में फैसले लेने का अधिकार नहीं होना चाहिए। यह सुप्रीम कोर्ट के आदेश की अवमानना के साथ दिल्ली की जनता के जनादेश का भी अपमान है।

भाजपा को केजरीवाल से लगता है डर : आतिशी

उधर, आम आदमी पार्टी की वरिष्ठ नेता और कैबिनेट मंत्री आतिशी ने कहा कि इस अध्यादेश ने साबित कर दिया कि भाजपा और केंद्र सरकार को सिर्फ और सिर्फ अरविंद केजरीवाल से डर लगता है। भाजपा को डर है कि अगर सारी पावर केजरीवाल के पास आ गई तो केजरीवाल मॉडल को पूरे देश में फैलने से रोकना नामुमकिन है। आतिशी ने केंद्र के इस कदम को विश्वासघात करार दिया है। गौरतलब है कि दिल्ली सरकार के अधिकारों पर केंद्र सरकार ने शुक्रवार को अध्यादेश जारी किया है। केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद अध्यादेश जारी किया। अध्यादेश के मुताबिक दिल्ली में अधिकारियों के ट्रांसफर-पोस्टिंग में केवल मुख्यमंत्री का अधिकारी नहीं होगा बल्कि आखिरी फैसला उपराज्यपाल का होगा।

सीएम केजरीवाल ने पहले ही जताया था अंदेशा

केंद्र द्वारा लाए गए अध्यादेश को लेकर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शाम को पहले ही अंदेशा जताया था। उन्होंने ट्वीट कर लिखा था, एलजी साहिब सुप्रीम कोर्ट के आदेश क्यों नहीं मान रहे? दो दिन से सर्विसेज सेक्रेटरी की फाइल साइन क्यों नहीं की? कहा जा रहा है कि केंद्र अगले हफ्ते आर्डिनेंस लाकर सुप्रीम कोर्ट के आदेश को पलटने वाली है? क्या केंद्र सरकार सुप्रीम कोर्ट के आदेश को पलटने की साजिश कर रही है? क्या एलजी साहिब आर्डिनेंस का इंतजार कर रहे हैं, इसलिए फाइल साइन नहीं कर रहे?

ट्रांसफर और पोस्टिंग पर आखिरी फैसला एलजी का होगा

अध्यादेश के अनुसार राजधानी में अधिकारियों के ट्रांसफर और पोस्टिंग के लिए अथॉरिटी बनाई गई है। इसमें मुख्यमंत्री केजरीवाल, दिल्ली के मुख्य सचिव और प्रमुख गृह सचिव होंगे। अधिकारियों के ट्रांसफर और पोस्टिंग में अगर कोई विवाद होता है तो आखिरी फैसला दिल्ली के उपराज्यपाल का मान्य होगा।

पायलट की बागी उड़ान से कांग्रेस हलकान

नेतृत्व परिवर्तन की मांग करते हुए अपना चुके हैं बगावती तेवर

» जनप्रतिनिधियों से लिया जा रहा फीडबैक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। कांग्रेस नेता सचिन पायलट अब अपनी ही पार्टी के लिए सिरदर्द बन गए हैं। वे पिछले करीब तीन साल से मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का विरोध कर रहे हैं। नेतृत्व परिवर्तन की मांग करते हुए बगावती तेवर अपना चुके हैं। कांग्रेस आलाकमान ने जब सचिन पायलट की बातें नहीं मानी तो पायलट अपनी ही सरकार के खिलाफ सड़कों पर उतर गए। पहले 11 अप्रैल को जयपुर में अनशन किया। बाद में अजमेर से जयपुर तक जन संघर्ष यात्रा निकाली।

यात्रा के दौरान आयोजित आमसभा में पायलट ने सरकार के समक्ष तीन ऐसी मांगे रख दीं, जो वर्तमान हालातों में पूरी नहीं हो सकती हैं। मांगे पूरी नहीं होने पर 15 दिन बाद पायलट प्रदेशभर में आंदोलन करने का ऐलान कर चुके हैं। पायलट के इस ऐलान के बाद अभी तक पार्टी ने उनके खिलाफ कोई कदम नहीं उठाया है लेकिन, पायलट की इस हरकत का तोड़ ढूंढने में लगे हैं।

सचिन पायलट के बगावती तेवर के बाद प्रदेश कांग्रेस नई रणनीति पर काम कर रही है। संगठन के पदाधिकारियों, विधायकों और मंत्रियों के जनप्रतिनिधियों से फीडबैक लिया जा रहा है। इसके लिए बुधवार 17 मई को प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में बैठक की गई। इस बैठक में सह प्रभारी अमृता धवन, कैबिनेट मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास, डॉ. महेश जोशी, विधायक रफीक खान और गंगादेवी सहित कई नेताओं ने सरकार के कामकाज पर चर्चा की। इस दौरान पार्टी कार्यकर्ता और संगठन के कई पदाधिकारी भी मौजूद रहे। बैठक के दौरान सभी कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों से फीडबैक लिया गया। साथ ही आह्वान किया गया कि आगामी विधानसभा चुनावों के लिए अभी से कमर कस लें। राज्य सरकार की योजनाओं और उपलब्धियों को गांव-गांव तक पहुंचाएं।

नुकसान का आकलन निकाल पर समाधान की कोशिश

सचिन पायलट की ओर से अशोक गहलोत के खिलाफ किए जा रहे आंदोलन का प्रभाव कितना है? यह जानने के लिए प्रदेश संगठन के पदाधिकारियों की टीम प्रदेशभर से फीडबेक जुटाएगी। तीन सह प्रभारी अमृता धवन, वीरेन्द्र सिंह और काजी मोहम्मद निजामुद्दीन को प्रदेश के दौरे पर निकले हैं। पायलट के आनंदोलन से पार्टी को कितना नुकसान होगा, ये तीनों नेता अपने स्तर पर प्रदेश के हर संभाग, जिला और ब्लॉक स्तर से फीडबेक जुटा रहे हैं। फीडबैक की रिपोर्ट कांग्रेस आलाकमान को भेजी जाएगी। इसके बाद ही कांग्रेस हाईकमान सचिन पायलट मामले में कोई कदम उठाएगा।

पायलट को जवाब देने की तैयारी

पायलट की ओर से लगातार बगावती तेवर अपनाए जाने के बाद भले ही कांग्रेस हाईकमान ने कोई कदम नहीं उठाया हो लेकिन गहलोत समर्थक नेताओं ने पायलट को जवाब देना शुरू कर दिया है। गहलोत समर्थक विधायकों ने पायलट के सवालों के जवाब उन्हीं की भाषा में देना शुरू कर दिया है। कैबिनेट मंत्री महेश जोशी, रामलाल जाट, विधायक चेतन डूडी के बाद अब मुख्यमंत्री के सलाहकार और निर्दलीय विधायक संयम लोढ़ा ने भी पायलट के अनशन और यात्रा पर सवाल उठाए हैं। लोढ़ा ने तो यहां तक कह दिया कि पिछले साढ़े चार साल में सचिन पायलट ने राजस्थान विधानसभा में एक बार भी बेरोजगार नौजवानों के मुद्दे को नहीं उठाया। बीजेपी के भ्रष्टाचार पर भी सदन में कभी आवाज नहीं उठाई। अब चुनाव नजदीक आए तो पायलट को अचानक बेरोजगारों और बीजेपी के भ्रष्टाचार की याद आ गई।

सचिन के बीजेपी के साथ रिश्ते होने के आरोप

सचिन पायलट पर बीजेपी से साठगांठ के आरोप लगने लगे हैं। जोधपुर में गजेन्द्र सिंह शेखावत और सचिन पायलट के मिलीभगत के पोस्टर तक लगा दिए गए। जोधपुर जिला कांग्रेस कमेटी के तीन सदस्यों ने अपने नाम और फोटो के साथ जोधपुर की सड़कों पर पोस्टर लगाए। इन पोस्टर्स में शेखावत और पायलट की फोटो है। पोस्टर के जरिए पायलट से सवाल पूछे गए हैं कि वे संजीवनी क्रेडिट को-ऑपरेटिव घोटाले पर क्यों नहीं बोलते हैं। आखिर उनका घोटाले के आरोपी शेखावत के साथ क्या रिश्ता है। ये पोस्टर जिला संगठन महामंत्री कुश गहलोत, सचिव ललित कुमार गहलोत और जिला प्रवक्ता भाकर राम विश्नोई ने लगवाए थे। हालांकि जिला अध्यक्ष ने इन पोस्टर्स को हटवा दिया है।

लोहिया संस्थान : गरीबों की सहायता पर ताला

पिछले छह माह से किसी को भी नहीं मिली मदद

» कोष से जरूरतमंद मरीजों को 25 हजार रुपये तक की मिलती थी मदद

» जरूरतमंद मरीज हो रहे हैं परेशान

» 2016 में की गई थी सहायता कोष की स्थापना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुविज्ञान संस्थान में आर्थिक रूप से मरीजों के सहायता कोष पर ताला लग गया है। कोष से जरूरतमंद मरीजों को इलाज के लिए 25 हजार रुपये तक की मदद मुहैया करवाई जाती थी। आलम यह है कि पिछले छह माह से किसी भी मरीज को मदद नहीं मिली है। ऐसे में किसी सरकारी योजना के दायरे में न आने वाले जरूरतमंद मरीज परेशान हो रहे हैं।

लोहिया संस्थान में साल 2016 में सहायता कोष की स्थापना की गई थी। संस्थान ने 2 करोड़ रुपये कॉर्पस फंड के तौर पर जमा करवाए थे। इससे मिलने वाले ब्याज से जरूरतमंदों की मदद की जाती थी। व्यवस्था के तहत विभागाध्यक्ष की तरफ से संस्थान प्रशासन को प्रस्ताव भेजा जाता है और अनुमति के बाद मरीज को मदद मुहैया करवाई जाती है, लेकिन पिछले छह माह से विभागों की तरफ से भेजे जा रहे प्रस्तावों पर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। संस्थान में किसी सरकारी योजना से लाभान्वित न होने की स्थिति में मरीजों को इलाज का खर्च खुद उठाना पड़ता है। कई बार वेंटिलेटर पर रखे गए गंभीर मरीजों की मौत होने पर बकाया भुगतान के बाद ही परिवारीजनों को शव दिया जाता है। खासतौर पर ऐसे मरीजों की मदद के लिए कोष बनाया गया था।

बंद हो चुका है नि:शुल्क इलाज

लोहिया संस्थान के हॉस्पिटल ब्लॉक में पहले नि:शुल्क इलाज की सुविधा था। सुपरस्पेशलिटी के विभागों में ही मरीजों को शुल्क देना पड़ता था। वहीं, अब संस्थान ने हॉस्पिटल ब्लॉक में भी शुल्क लागू कर दिया है। ऐसे में निःशुल्क इलाज की सुविधा पूरी तरह से बंद हो चुकी है। आर्थिक रूप से कमजोर मरीजों को भी जांच, दवा, सर्जरी से लेकर भर्ती होने पर बेड तक का चार्ज देना पड़ रहा है।

पहले के भुगतान ही पेंडिंग

लोहिया के सीएमएस डॉ. राजन भटनागर ने बताया कि राहत कोष में चार से पांच महीने पहले फाइल देखी थी। काफी पेंडेंसी मिलने पर अप्रूवल के लिए निदेशक को फाइल भेजी गई थी। इसी के चलते भुगतान रुका हुआ है। साथ ही चिट फंड सोसायइटी में फिर से रजिस्ट्रेशन की भी प्रक्रिया लंबित थी। अब प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। ऐसे में निदेशक के स्तर से फाइलों को अप्रूवल मिलते ही मरीजों को सुविधा मिलने लगेगी।

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

जी-7 में अहम है भारत का दौरा

भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी-7 के बैठक में अतिथि देश के प्रमुख के रूप में हिरोशिमा पहुंचेंगे। यह भारत के लिए सम्मान की बात है। जी-7 विश्व के ताकतवर देशों का संगठन है। इसकी मदद से भारत अपना तो लाभ ले ही सकता है वह अपने यहां के वस्तुओं व संस्कृतियों को प्रदान कर भारत की समृद्धि में वृद्धि कर सकता है। प्रधानमंत्री छह दिनों की विदेश यात्रा पर रवाना हो गए। इस दौरान वह तीन देश जाएंगे और तीन बहुपक्षीय सम्मेलनों में शामिल होंगे। वहीं वह 40 से ज्यादा कार्यक्र मों में शिरकत करेंगे। दो दर्जन से ज्यादा वैश्विक नेताओं से उनकी मुलाकात होगी और इनमें से कई नेताओं के साथ द्विपक्षीय बातचीत भी होगी। जापान में जी-7 के शिखर सम्मेलन और पापुआ न्यू गिनी में फोरम फॉर इंडिया पैसिफिक आइलैंड कोऑपरेशन के तीसरे सम्मेलन से जुड़े कार्यक्रमों में तो कोई फेरबदल नहीं हुआ, लेकिन ऑस्ट्रेलिया में प्रस्तावित क्वॉड देशों की बैठक जरूर आखिरी पलों में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के न आ पाने के कारण टाल दी गई।

अमेरिका में डेट सीलिंग यानी कर्ज की सीमा बढ़ाने को लेकर विधायिका के साथ बना गतिरोध दूर करने के लिए प्रस्तावित बातचीत की वजह से बाइडेन ने क्वॉड बैठक में शामिल होने में असमर्थता जता दी थी। चूंकि क्वॉड के चारों सदस्य देश (भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया) जी-7 बैठक में भी शामिल होंगे। इसलिए कोशिश यह की जा रही है कि हिरोशिमा में ही क्वॉड की बैठक भी हो जाए। हालांकि क्वॉड की बैठक टलने के बावजूद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऑस्ट्रेलिया की अपनी यात्रा को प्रभावित नहीं होने दिया। दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों के गाढ़े होने का यह भी एक संकेत माना जा सकता है। पापुआ न्यू गिनी की उनकी यात्रा इस मायने में रेखांकित करने लायक है कि यह किसी भारतीय प्रधानमंत्री की उस द्वीपीय राष्ट्र की पहली ही यात्रा है। इससे संबंधों का एक नया सिलसिला शुरू होने की उम्मीद की जा सकती है। लेकिन इसमें दो राय नहीं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदा यात्रा के दौरान सबकी नजरें हिरोशिमा में होने वाली जी-7 बैठक पर ही रहेगी। इस बैठक में प्रधानमंत्री मोदी की शिरकत इस मायने में भी महत्वपूर्ण है कि अभी जी-20 की अध्यक्षता भी भारत के पास ही है। जापान ने भी इस तथ्य को रेखांकित करते हुए उम्मीद जताई है कि इससे जी-7 और जी-20 के बीच तालमेल बेहतर बनाने में मदद मिलेगी।

“ जी-7 विश्व के ताकतवर देशों का संगठन है। इसकी मदद से भारत अपना तो लाभ ले ही सकता है वह अपने यहां के वस्तुओं व संस्कृतियों को प्रदान कर भारत की समृद्धि में वृद्धि कर सकता है। प्रधानमंत्री छह दिनों की विदेश यात्रा पर रवाना हो गए। इस दौरान वह तीन देश जाएंगे और तीन बहुपक्षीय सम्मेलनों में शामिल होंगे। वहीं वह 40 से ज्यादा कार्यक्र मों में शिरकत करेंगे।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

कर्नाटक के जनादेश का लोकतांत्रिक संदेश

विश्वनाथ सचदेव

कर्नाटक में कांग्रेस की जीत को लेकर किसी किंतु-परंतु के लिए कोई स्थान नहीं है। 224 सदस्यीय विधानसभा में 135 सीटों पर स्पष्ट विजय मिली है कांग्रेस को। शायद ही इससे पहले कभी कांग्रेस को कर्नाटक में ऐसी विजय मिली होगी। लेकिन क्या कांग्रेस की जीत ही इस चुनाव की महत्वपूर्ण उपलब्धि रही है? इस सवाल को इस रूप में भी पूछा जा सकता है कि महत्वपूर्ण कांग्रेस का चुनाव जीतना रहा है अथवा कर्नाटक में भाजपा का हारना? वैसे देखा जाये तो दोनों बातों का अर्थ एक ही लगता है— कांग्रेस कर्नाटक में जीती है, और भाजपा हारी है। लेकिन हकीकत यह भी है कि कांग्रेस के जीतने से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है कर्नाटक में भाजपा की हार। यूं तो भाजपा कह सकती है कि कर्नाटक में परंपरा-सी रही है चुनाव-दर-चुनाव सरकार का बदलना, और वह यह कहकर संतुष्ट भी हो सकती है कि राज्य में उसका आधार कमजोर नहीं हुआ, उसका वोट प्रतिशत पिछले चुनाव जितना ही रहा है।

इस चुनाव में भाजपा को 36 प्रतिशत वोट मिले हैं, 2018 के चुनाव में भी इतने ही वोट मिले थे। लेकिन वोट प्रतिशत का कम न होना कर्नाटक में भाजपा की घटती साख के तथ्य को छिपा नहीं सकता। हकीकत यह है कि चुनाव-प्रचार में हर हथकंडा अपनाने के बावजूद दक्षिण भारत का द्वार भाजपा के लिए बंद हो गया-सा लगता है। चुनाव में कांग्रेस का जीतना भले ही कम महत्वपूर्ण न हो, लेकिन भाजपा का हारना कहीं अधिक महत्वपूर्ण है। राजनीतिक विश्लेषक इसे भाजपा का विजय-रथ के रुकने के संदर्भ में भी देख रहे हैं। सन् 2014 में शुरू हुई थी देश में भाजपा की विजय-यात्रा। इसके बाद 2019 में भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा ने राष्ट्रीय स्तर पर शानदार विजय पायी थी। लगने लग गया था कि अब ताकतवर भाजपा को हराना कमजोर और बंटे हुए विपक्ष के बस का नहीं रहा। एक तयशुदा और सोची-समझी रणनीति के तहत प्रधानमंत्री मोदी को एक अजेय नेता के रूप में स्थापित किया गया। यह भी इसी रणनीति का हिस्सा था कि 'मोदी' है तो जीत पक्की है, को एक विश्वास के रूप में सामने रखा जाये।

पिछले दस सालों में यह विश्वास फला-फूला भी। हकीकत यह भी है कि भाजपा भले ही यह कहती रहे कि पार्टी व्यक्ति से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है, पर स्थिति यह बना दी गयी थी कि प्रधानमंत्री मोदी और कुछ हद तक गृहमंत्री अमित शाह भी, पार्टी से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हैं। कर्नाटक के इस

चुनाव ने इस अवधारणा को ध्वस्त कर दिया है। सवाल पूछा जाने लगा है कि यदि चुनावों में जीत का श्रेय प्रधानमंत्री को ही दिया जाना सही था तो कर्नाटक के इस चुनाव में भाजपा की हार को प्रधानमंत्री मोदी की हार क्यों न माना जाए? भाजपा नेतृत्व इस सवाल के अर्थ और महत्व को समझ रहा है। इसलिए कोशिश की जा रही है कि कर्नाटक की हार को कमतर आंका जाये। कर्नाटक चुनाव के तत्काल बाद भाजपा ने जिस तरह से मोदी-सरकार के दस साल का जश्न मनाने की शुरुआत कर दी है, वह इसी कोशिश का एक हिस्सा है। अब भाजपा पूरा एक महीना अपने कार्यकाल का जश्न मनायेगी। देशभर में भाजपा के प्रचार-प्रसार के लिए रैलियां आयोजित की जाएंगी। यह भी महत्वपूर्ण है कि इस 'जश्न' की शुरुआत प्रधानमंत्री की दो रैलियों के साथ हो रही है। लेकिन भाजपा के लिए इस बात को भुलाना भी शायद ही संभव हो कि कर्नाटक में प्रचार के आखिरी दौर में प्रधानमंत्री की दो 'प्रचंड रैलियों' के बावजूद संभावित हार को जीत में बदलना मुश्किल हो गया था। बहरहाल, भाजपा की आगामी रणनीति पर आगे चर्चा होगी ही। आज तो महत्वपूर्ण यह देखना है कि कर्नाटक में भाजपा की हार का मतलब क्या है? दो मतलब हैं इस हार के, पहला तो यह कि 'कांग्रेस मुक्त भारत' का सपना दिखाने वाली भाजपा के लिए दक्षिण भारत का दरवाजा फिलहाल बंद दिख रहा है। 'भाजपा मुक्त दक्षिण भारत' की यह स्थिति देश की राजनीति की नयी संभावनाओं को जन्म देने वाली है। यह सही है कि पिछले आठ-दस साल में भाजपा की यह चुनावी हार पहली नहीं है, हाल ही की हिमाचल की भाजपा की हार को भी कम करके नहीं आंका जाना चाहिए, पर कर्नाटक में भाजपा की हार के मायने ज्यादा महत्वपूर्ण हैं।

यह तथ्य अपने आप में कम महत्वपूर्ण नहीं कि इन चुनावों में भाजपा के बुनियादी दावों को चुनौती दी गयी थी। भाजपा ने जीत के लिए हर हथकंडा अपनाया था। सांप्रदायिकता के आधार पर ध्रुवीकरण की कोशिश भले ही कोई नयी बात नहीं हो, पर जिस तरह चुनाव-प्रचार के अंतिम चरण में स्वयं प्रधानमंत्री ने जीत के लिए बजरंगबली का सहारा लेने की कोशिश की, उसे किसी भी दृष्टि से उचित नहीं ठहराया जा सकता।

मुफ्त की राजनीति विजय की गारंटी नहीं

अवधेश कुमार

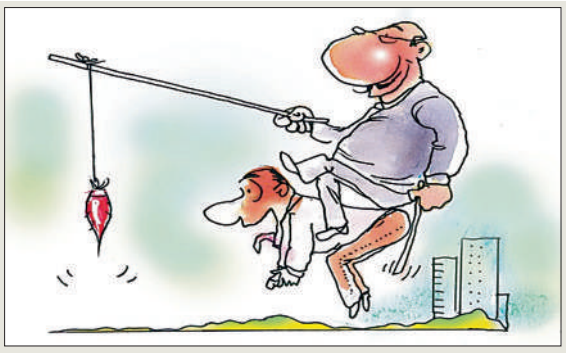

वास्तव में अगर गहराई से देखें तो राजनीतिक पार्टियों की मुफ्त दान संबंधी घोषणायें और कदम देश के सामूहिक मानस को श्रम विमुख बना देना है। जिस व्यक्ति, समाज और देश के अंदर यह भाव और व्यवहार नहीं है कि अपने समक्ष उत्पन्न कठिनाइयों, चुनौतियों को स्वयं के संकल्प और परिश्रम से निपटा जाएगा तो वह व्यक्ति , समाज और देश कभी सशक्त व स्वावलंबी नहीं हो सकता।

पहले हिमाचल प्रदेश और अब कर्नाटक के चुनाव परिणामों ने विचार को बाध्य किया है कि लोक कल्याणकारी कार्यों के नाम पर जनता को मुफ्त वस्तुएं और सेवाएं देने की घोषणाएं 'फ्रीबीज' कितनी जायज हैं। अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में आप ने राजधानी दिल्ली में चुनावी विजयों की दृष्टि से इसका सर्वाधिक चतुर उपयोग किया है। इसे ही विस्तारित करते हुए पंजाब तक ले गए। अब दूसरी पार्टियां भी धीरे-धीरे आप का अनुसरण कर रही हैं। कांग्रेस ने हिमाचल प्रदेश में पुरानी पेंशन व्यवस्था लागू करने से लेकर राशन, बिजली सहित ऐसे वायदे किये जो अर्थव्यवस्था के लिए क्षतिकारक हैं। संयोग से उसे विजय प्राप्त हुई। कर्नाटक में उसने ज्यादा विस्तार किया है।

स्वाभाविक ही इस अंधी दौड़ में जो पार्टियां या व्यक्ति उसके विरोध में खड़ा होगा वह आज के हल्ला बोल माहौल में गरीब विरोधी और पूंजीपतियों, कॉर्पोरेट का दलाल और समर्थक तक करार दिया जाएगा। गांधी जी ने कहा था कि मैं देश में किसी मुफ्तखोरी की अनुमति नहीं दे सकता। वास्तव में अगर गहराई से देखें तो राजनीतिक पार्टियों की मुफ्त दान संबंधी घोषणायें और कदम देश के सामूहिक मानस को श्रम विमुख बना देना है। जिस व्यक्ति, समाज और देश के अंदर यह भाव और व्यवहार नहीं है कि अपने समक्ष उत्पन्न कठिनाइयों, चुनौतियों को स्वयं के संकल्प और परिश्रम से निपटा जाएगा तो वह व्यक्ति , समाज और देश कभी सशक्त व स्वावलंबी नहीं हो सकता। एक बार समाज को अपनी मूलभूत आवश्यकताओं की मुफ्तखोरी का स्वाद लग गया तो परिश्रम कर स्वयं को सक्षम बनाने का संस्कार नष्ट हो जाता है। उसमें उसका आत्मविश्वास भी खत्म हो जाता है। इस विचार और व्यवहार का प्रभाव देखिए कि जिनके लिए कुछ किलो राशन, कुछ यूनिट बिजली या कुछ लीटर पानी का व्यय मायने नहीं रखता वह भी इससे प्रभावित होते हैं। कई चुनाव परिणामों विशेषकर दिल्ली, पंजाब आदि चुनाव परिणामों का निष्कर्ष तो यही है।

वैसे भारत में मतदाताओं को रिझाने के लिए सरकारी खजाने से मुफ्त दान का लंबा इतिहास है किंतु इसकी शुरुआत लोग दक्षिण के आंध्र और तमिलनाडु जैसे राज्यों से मानते हैं। वहां मुफ्त चावल से लेकर कलर टीवी, केबल कनेक्शन, मोबाइल तक देने की घोषणाएं हुईं और दी गईं। समाज में वास्तविक वंचित, निराश्रित, कमजोर को राज्य मूलभूत आवश्यकताएं प्रदान कर संरक्षण दे यह समझ में आता है। किंतु सक्षम, समर्थ को भी मुफ्त दिया जाए, यह खतरनाक है। वह भी उपभोक्तावादी वस्तुएं। केंद्र एवं राज्यों को आय के अनुरूप ही कल्याण और विकास के बीच संतुलन बनाते हुए खर्च करना है। इस तरह के मुफ्त दान और एक वर्ग को खुश करने के लिए पेंशन आदि बढ़ाई तो उसका असर समूची अर्थव्यवस्था पर होता है और दूसरे समूह भी इसकी मांग करते हैं।?

इससे विकास की नीतियां और कार्यक्रम प्रभावित होते हैं तथा व्यवहार में आम लोगों के कल्याणकारी योजनाओं में भी कटौती करनी पड़ती है। तो राजनीतिक दलों के लिए भी लंबे समय तक के लिए यह लाभकारी नहीं हो सकता। लोगों को उनकी आकांक्षाओं के अनुरूप सांस्कृतिक, शैक्षणिक, धार्मिक, सामाजिक परिवेश सुरक्षा का वातावरण तथा विकास चाहिए और न होने पर वह किसी पार्टी को सत्ता से हटा सकते हैं। एनटी रामाराव के नेतृत्व में ही तेलुगू देशम पार्टी चुनाव में बुरी तरह पराजय हुई। अकाली दल ने भी पंजाब में लोगों को मुफ्त में काफी कुछ दिया लेकिन यह उसकी सत्ता की स्थाई गारंटी नहीं बन सका। इसके विपरीत गुजरात में भाजपा लगातार 1995 से सत्ता में है। वहां के मतदाताओं ने आम आदमी पार्टी की मुफ्त घोषणाओं को स्वीकार नहीं किया। ये उदाहरण राजनीतिक दलों के लिए सीख होनी चाहिए। वास्तव में मुफ्त दान यानी फ्रीबीज़ से विजय चुनाव परिणामों का केवल एक पक्ष है। तात्कालिक वोट की राजनीति के लिए कुछ कदम उठाते वह भी अपने दूरगामी लकवा आदर्श तथा उत्तरदायित्व के प्रति हमेशा सतर्क रहना होगा। हिमाचल या कर्नाटक की पराजय भाजपा के अंदरूनी कलह की परिणति थी। आखिर किसान सम्मान निधि, कोरोना काल से अब तक मुफ्त राशन सहित घोषणा पत्र में स्वयं कई मुफ्त वायदों के बावजूद उसे पराजय मिली तो कारणों की गहराई से समीक्षा करनी चाहिए। अगर शीर्ष केंद्रीय नेतृत्व की तरह राज्य संगठन एवं सरकार अपने लक्ष्यों, विचार एवं योजनाओं के प्रति ईमानदारी और प्रतिबद्धता परिलक्षित करेंगे तो जनता नकार नहीं सकती। तात्कालिक परिस्थितियों में किन्ही कारणों से पराजय मिली तो फिर से वापसी भी हुई है। कई दूसरे दलों के साथ भी यही लागू होता है। वक्त की जरूरत है कि व्यक्ति अपने संकीर्ण स्वार्थों के बजाय राष्ट्रीय हितों को तरजीह दे। यदि मुफ्त की राजनीति से देश के व्यापक आर्थिक हितों को चोट पहुंचती है तो उससे देश का हर नागरिक प्रभावित हुए बिना नहीं रह सकता।

विटामिन यू की कमी को न करें नजरअंदाज

विटामिन यू के बारे में सभी को जानकारी नहीं होती है। जिस कारण इसकी कमी होना आम हो सकता है। किसी भी विटामिन की कमी से शरीर को नुकसान झेलना पड़ता है। आप ने विटामिन ए, विटामिन बी, विटामिन सी, विटामिन डी आदि के बारे में सुना होगा। लेकिन एक ऐसा पोषक तत्व भी है, जिसके बारे में लोगों को नहीं पता है। इसे विटामिन यू कहते हैं और इसकी कमी शरीर के लिए काफी खतरनाक हो सकती है।

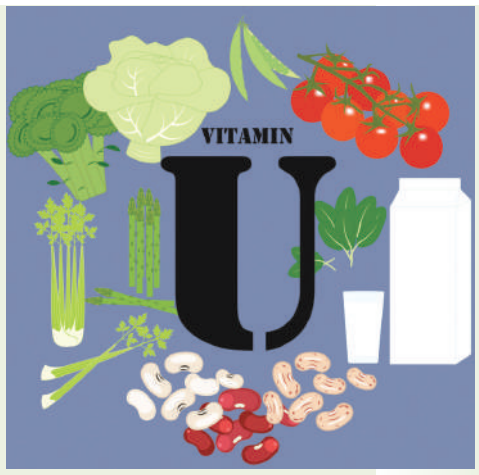

क्या है विटामिन यू

यह असली विटामिन नहीं है, बल्कि methionine का एक यौगिक है। यह सीमित चीजों के अंदर होता है। अगर आप इन फूड को नहीं खाते हैं तो इसकी कमी से सारी ताकत खत्म हो सकती है। आइए जानते हैं कि विटामिन की कमी के लक्षण क्या हैं और ये किन खाद्य पदार्थों में पाया जाता है?

पेट का अल्सर ठीक ना होना

पेट का अल्सर ठीक ना होना विटामिन की कमी का लक्षण हो सकता है। Pubmed पर छपी स्टडी में देखा गया है कि विटामिन यू से भरपूर फूड का ताजा जूस ना पीने वाले मरीजों में पेप्टिक अल्सर का इलाज काफी धीरे हुआ।

हाई कोलेस्ट्रॉल और ट्राइग्लिसराइड

इस न्यूट्रिएंट की कमी से कोलेस्ट्रॉल और ट्राइग्लिसराइड का लेवल हाई हो सकता है। क्योंकि, विटामिन यू फैट सेल्स के उत्पादन में कमी लाने में मदद करता है। जिससे कोलेस्ट्रॉल और ट्राइग्लिसराइड लेवल कंट्रोल में रहता है।

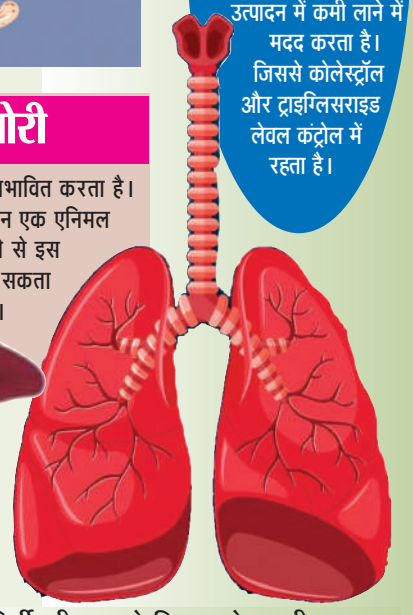

फेफड़ों की कमजोरी

मिर्गी का दौरा फेफड़ों की क्षमता को प्रभावित करता है। जिससे वे कमजोर होने लगते हैं। लेकिन एक एनिमल स्टडी में पाया गया कि विटामिन यू लेने से इस नुकसान से बचाया जा सकता है।

लिवर की खराबी

मिर्गी की दवा से लिवर को काफी नुकसान पहुंचता है। लेकिन अगर यह समस्या गंभीर है तो यह विटामिन यू की कमी भी हो सकती है। क्योंकि, शोध में इस पोषक तत्व को लिवर डैमेज से बचाने वाला पाया गया है।

पत्ता गोभी का जूस देता है विटामिन यू

विटामिन यू का सबसे बढ़िया स्त्रोत पत्ता गोभी का जूस है। क्योंकि, इसकी खोज के पीछे भी यह फूड है। सबसे पहले 1950 के आसपास बंद गोभी (पत्ता गोभी) के जूस में मेथियोनाइन का यह यौगिक देखा गया था। इसके अलावा, ब्रोकली, ब्रुसेल स्प्राउट्स और केल खाने से भी इसे पाया जा सकता है।

हंसना मना है

पत्नी- तुम मुझे सोते हुए गाली दे रहे थे, पति- नहीं तुम्हें कोई गलतफहमी हुई है, पत्नी-क्या गलतफलमी? पति- यही, कि मैं सो रहा था... तब से वाकई में पति की नींद गायब है... एक बार दो चूहे के बच्चे बाइक पर जा रहे थे... रास्ते में उन्हें शेर का बच्चा मिला... उसने कहा मुझे भी बिठा लो।

कुछ सोचने के बाद चूहे ने कहा...देख ले, वरना बाद में तेरी मम्मी बोलेंगी गुंडों के साथ घूमता है, गणित की क्लास चल रही थी, टीचर ने पूछा- बताओं 1000 किलो = एक टन, तो 3000 किलों कितना होगा? पप्पू- जी सर....टन, टन, टन।

टीचर को समझ नहीं आ रहा कि शाबासी दूं या क्लास से बाहर निकालूं, एक लड़की को देखा तो ऐसा...लगा, दूसरी लड़की को देखा तो वैसा...लगा, और जब दोनों ने गाल पर थप्पड़ मारे...तो एक जैसा लगा....

बेटा बाप से- पापा से साढू का रिश्ता क्या होता है, बाप- बेटा जब दो आदमी एक ही कंपनी से ठगे जाते हैं तो साढू कहलाते हैं... तभी वहां मम्मी आ गई, बस फिर क्या है तब से मम्मी गुस्से से लाल हैं....और पापा डर के मारे पीले।

कहानी | रेत से चीनी अलग करना

एक बार बादशाह अकबर, बीरबल और सभी मंत्रीगण दरबार में बैठे हुए थे। सभा की कार्यवाही चल रही थी। एक-एक करके राज्य के लोग अपनी समस्याएं लेकर दरबार में आ रहे थे। इसी बीच वहां एक व्यक्ति दरबार में पहुंचा। उसके हाथ में एक मर्तबान था। सभी उस मर्तबान की ओर देख रहे थे, तभी अकबर ने उस व्यक्ति से पूछा- 'क्या है इस मर्तबान में?' उसने कहा कि महाराज इसमें चीनी और रेत का मिश्रण है।' अकबर ने फिर पूछा 'किसलिए?' अब दरबारी ने कहा कि गलती माफ हो महाराज, लेकिन मैंने बीरबल की बुद्धिमत्ता के कई किस्से सुने हैं। मैं उनकी परीक्षा लेना चाहता हूं। मैं यह चाहता हूं कि बीरबल इस रेत में से बिना पानी का इस्तेमाल किए, चीनी का एक-एक दाना अलग कर दें।' अब सभी हैरानी से बीरबल की ओर देखने लगे। अब अकबर ने बीरबल की ओर देखा और कहा कि देख लो बीरबल, अब तुम कैसे इस व्यक्ति के सामने अपनी बुद्धिमानी का परिचय दोगे।' बीरबल ने मुस्कुराते हुए कहा कि महाराज हो जाएगा, यह तो मेरे बाएं हाथ का काम है।' अब सभी लोग हैरान थे कि बीरबल ऐसा क्या करेंगे कि रेत से चीनी अलग-अलग हो जाएगी? तभी बीरबल उठे और उस मर्तबान को लेकर महल में मौजूद बगीचे की ओर बढ़ चले। उनके पीछे वह व्यक्ति भी था। अब बीरबल बगीचे में एक आम के पेड़ के नीचे पहुंचे। अब वह मर्तबान में मौजूद रेत और चीनी के मिश्रण को एक आम के पेड़ के चारों तरफ फैलाने लगे। तभी उस व्यक्ति ने पूछा कि अरे यह क्या कर रहे हो?' इस पर बीरबल ने कहा कि ये आपको कल पता चलेगा।' इसके बाद दोनों महल में वापस आ गए। अब सभी को कल सुबह का इंतजार था। अगली सुबह जब दरबार लगा, तो अकबर और सारे मंत्री एक साथ बगीचे में पहुंचे। साथ में बीरबल और रेत व चीनी का मिश्रण लाने वाला व्यक्ति भी था। सभी आम के पेड़ के पास पहुंच गए। सभी ने देखा कि अब वहां सिर्फ रेत पड़ी हुई है। दरअसल, रेत में मौजूद चीनी को चीटियों ने निकालकर अपने बिल में इकट्ठा कर लिया था और बची-खुची चीनी को कुछ चीटियां उठाकर अपने बिल में ले जा रही थीं। इस पर उस व्यक्ति ने पूछा कि चीनी कहां गई?' तो बीरबल ने कहा कि रेत से चीनी अलग हो गई है।' सभी जोर-जोर से हंसने लगे। बीरबल की यह चतुराई देख अकबर ने उस व्यक्ति से कहा कि अगर अब तुम्हें चीनी चाहिए, तो तुम्हें चीटियों के बिल में घुसना पड़ेगा।' इस पर सभी ने फिर से ठहाका लगाया और बीरबल की तारीफ करने लगे।

7 अंतर खोजें

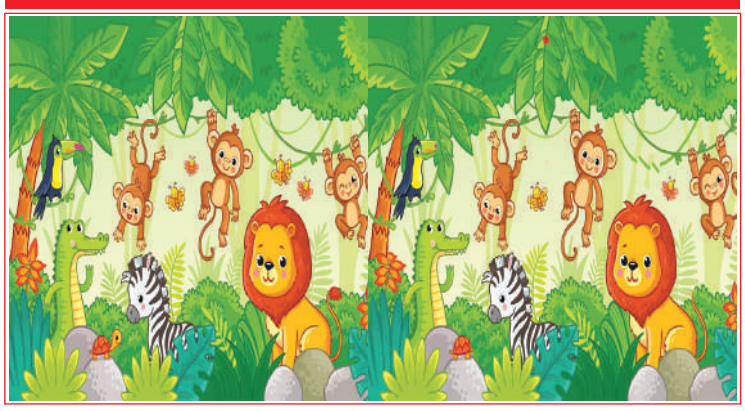

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आज अच्छे प्रदर्शन का प्रभाव आपके करियर पर स्पष्ट रूप से दिखाई देगा। आप अपने सीनियर्स के प्रति अच्छा व्यवहार बनाये रखेंगे। माता-पिता के साथ संबंध मजबूत होंगे।

वृषभ

आप व्यावसायिक यात्रा कर सकते हैं। भाग्य आज आपका साथ दे रहा हैं और इसलिए आप व्यावसायिक जीवन के संबंध में नई योजनाएं बना सकते हैं।

मिथुन

आज आपकी सेहत पहले की अपेक्षा अच्छी रहेगी। करियर में आपकी सफलता सुनिश्चित होगी। आज आपको घर के वरिष्ठ लोगों का सहयोग प्राप्त होगा।

कर्क

आपको अपने व्यवसाय और अन्य उपक्रमों से लगातार लाभ और मुनाफा प्राप्त होता रहेगा। आप अपने अधीनस्थों के समर्थन का आनंद लेंगे। साझेदारी भी स्थिर रहेगी।

सिंह

आज करियर के मामले में चीज़ें बेहतर होने के आसार हैं। आप अपना काम अच्छे से पूरा करने की कोशिश करेंगे। आज आप कोई काम बहुत जल्दबाजी में कर सकते हैं।

कन्या

आज आपको अपने रिश्तों और संबंधों पर अत्यधिक ध्यान देने की आवश्यकता हैं। सरकारी नौकरी की चाह रखने वाले अच्छा करेंगे। व्यापारियों के लिए समय अनुकूल है।

तुला

आज आप किसी तरह की राजनीति में उलझ सकते हैं। फिर वह राजनीति घर में भी हो सकती है और कार्यस्थल पर भी। मंदिर जाकर भगवान के दर्शन करेंगे।

वृश्चिक

आज का दिन मनोरंजन और सैर-सपाटे से जुड़े कामों के लिए शुभ है। आप कोई नया काम शुरू कर सकते हैं। नई योजनाओं और नए मौकों के लिहाज से यह दिन शुभ है।

धनु

आज आपका दिन कुछ खास लेकर आने वाला है। घर का वातावरण खुशनुमा बना रहेगा। किसी जरुरी काम थोड़ी सी मेहनत करने से ही सफलता मिल जायेगी।

मकर

आपके पास धन की वृद्धि होगी और स्थिति में सुधार होगा। आप सभी प्रकार के भौतिक सुखों का आनंद लेंगे और नए अधिग्रहण हो सकते हैं।

कुम्भ

आज करियर के मामले में आपको कोई बड़ी सफलता मिलेगी। कार्यक्षेत्र में धन लाभ के अवसर मिलेंगे। आपको अपने सगे-संबंधियों से भी पूरा लाभ मिलेगा।

मीन

आज किस्मत आपका साथ देगी और जटिल समस्याओं का समाधान मिल सकता है। परियोजनाएं जो बैक बर्नर पर थीं, अब गति उठा सकती हैं।

मुंबई पुलिस की गिरफ्त में डॉन

बॉलीवुड मसाला

बॉलीवुड के शहंशाह अमिताभ बच्चन एक अनजान शख्स की बाइक पर पीछे बैठकर राइड करने की तस्वीर वायरल होने के बाद से सुर्खियां बटोर रहे हैं। हेलमेट नहीं पहनने के लिए नेटिज़ेंस ने बिग बी को ट्रोल भी किया था। वहीं 'नो हेलमेट' राइड कॉन्ट्रोवर्सी के बाद अमिताभ बच्चन ने अपने इंस्टाग्राम पर मुंबई पुलिस की वैन के साथ अपनी एक तस्वीर शेयर की है और कैप्शन में गिरफ्तार लिखा है। उनकी इस तस्वीर पर फैंस मजेदार रिएक्शन दे रहे हैं।

अमिताभ बच्चन द्वारा शेयर की गई तस्वीर में एक्टर को मुंबई पुलिस वैन के बगल में चेक शर्ट और काली पैंट पहने देखा जा सकता है। फोटो में वे उदास और टेंशन में लग रहे हैं। इसी के साथ एक्टर ने कैप्शन में लिखा अरेस्टेड! वहीं जैसे ही अमिताभ बच्चन ने अपने इंस्टा पर ये तस्वीर शेयर की वैसे ही फैंस ने भी कमेंट करने शुरू कर दिए।

अमिताभ बच्चन की पुलिस वैन के साथ ली गई फोटो पर एक फैन ने कमेंट करते हुए लिखा, डॉन को पकड़ना मुश्किल ही नहीं नामुमकिन है। एक और ने लिखा,भूतनाथ को कोई गिरफ्तार नहीं कर सकताय एक अन्य ने लिखा, आखिर कर डॉन को मुंबई पुलिस ने पकड़ लिया। एक फैन ने कमेंट किया, किस पुलिस वाले का दिन खराब होगा। जो आपको गिरफ्तार करेगा।

कैसे शुरु हुआ था विवाद

बता दें कि विवाद तब शुरू हुआ जब अमिताभ बच्चन ने एक अजनबी की बाइक पर पिछली सीट पर सवारी करते हुए एक तस्वीर पोस्ट की थी। एक्टर ने इसके कैप्शन में उस शख्स को राइड कराने के लिए थैंक्यू कहा था और ये भी मेंशन किया था कि वे शूटिंग पर टाइम से पहुंच गए थे। इस दौरान हेलमेट ना लगाने पर बिग बी को ट्रोल किया गया था। हालांकि इस तस्वीर के पोस्ट करने के एक दिन बाद अमिताभ ने क्लियर करते हुए कहा, मामले की सच्चाई ये है कि ये मुंबई की सड़क पर शूटिंग के लोकेशन की है .. यह संडे की है .. बलार्ड एस्टेट में एक गली में शूटिंग के लिए ऑफिशियल परमिशन ली गई है .. परमिशन संडे की ली गई थी क्योंकि सभी ऑफिस बंद हैं और कोई पब्लिक या ट्रैफिक नहीं है .. एरिया में एक लेन शूटिंग के लिए पुलिस की परमिनशन के बाद ब्लॉक है .. गली बमुश्किल से 30-40 मीटर .. मैंने जो ड्रेस पहनी है वह फिल्म के लिए मेरा कॉस्ट्यूम है ..

कान फिल्म फेस्टिवल में हिस्सा लेंगी श्रुति हासन

बॉलीवुड की कुछ अभिनेत्रियां पहले ही इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल के रेड कार्पेट पर अपने फैशन सेंस से चर्चा में बनी हुई हैं और अब श्रुति हासन के रेड कार्पेट पर धमाल मचाने का समय आ गया है। श्रुति हासन इस फेस्टिवल में एक खास वजह से उपस्थिति दर्ज कराने वाली हैं। दरअसल, श्रुति हासन फेस्टिवल में एक चर्चा में चीफ गेस्ट बनकर पहुंचने वाली हैं।

श्रुति हासन कान फिल्म फेस्टिवल में एक चर्चा की मुख्य अतिथि बनकर पहुंचने वाली हैं, जिसमें जेंडर समानता के बारे में बात की जाएगी और इसे एक्टिवेटिंग चेंज नाम दिया गया है। इस चर्चा की मेजबानी ब्रेकिंग थ्रू द लेंस द्वारा की जाएगी। इसका उद्देश्य मनोरंजन इंडस्ट्री में महिलाओं के लिए चुनौतियों और अवसरों पर चर्चा करना है। इसके साथ ही इसमें महिलाओं के लिए ज्यादा न्यायसंगत और समावेशी वातावरण बनाने के तरीकों पर भी चर्चा की जाएगी। यह 23 मई को कैंपारी के लाउंज में आयोजित किया जाएगा, जहां से कान फिल्म फेस्टिवल का रेड कार्पेट दिखाई देगा।

इस चर्चा का उद्देश्य एक बहुसांस्कृतिक, इन्टरसेक्शन और परिणाम-संचालित दृष्टिकोण के साथ कम सेवा वाले फिल्म निर्माताओं के लिए समाधान प्रदान करना है। बता दें, श्रुति हासन हमेशा महिलाओं के अधिकारों और जेंडर इक्वैलिटी पर अपने विचारों को खुलकर साझा करती आ रही हैं। अभिनेत्री हमेशा से ही उन चीजों की समर्थक रही हैं, जिनका उद्देश्य लैंगिक समानता को बढ़ावा देना है। श्रुति हासन के वर्कफ्रंट की बात करें तो अभिनेत्री इस समय अपने इंटरनेशनल प्रोजेक्ट, द आई की रिलीज का इंतजार कर रही हैं। इस फिल्म में, वह अपने मरे हुए पति की राख को फैलाने के लिए एक ग्रीक द्वीप पर जाने वाली विधवा की भूमिका निभा रही हैं। इसके अलावा, अभिनेत्री के पास प्रभास स्टारर सालार भी है।

बॉलीवुड मन की बात

भाई की मौत के गम से अब तक नहीं उबर पाया हूं: जैकी श्रॉफ

जैकी श्रॉफ अपनी जिंदादिली और दमदार अभिनय से दर्शकों का दिल जीत लेते हैं, लेकिन आज भी वह अपने मन के एक कोने में गहरा दर्द छुपाए बैठे हैं, जिसे याद कर उनका दिल दहल जाता है। अपने इस गहरे दर्द और दुख के बारे में अभिनेता ने बात करते हुए खुलासा किया है कि वह आज भी आघात के साथ जी रहे हैं। अभिनेता जैकी श्रॉफ ने अपने भाई और माता-पिता को खोने के बाद पीछे मुड़कर देखा और वह अभी भी इस आघात के साथ जी रहे हैं। जैकी ने अपने किशोर बड़े भाई को अपनी आंखों के सामने डूबते हुए देखा, जो एक दोस्त को बचाने की कोशिश कर रहे थे। जैकी ने एक साक्षात्कार में कहा कि जब उनकी मां की मृत्यु हुई तो वह भी मरना चाहते थे, क्योंकि उन्होंने उनके बंधन को प्यार से देखा। हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में जैकी श्रॉफ ने कहा कि उदारता उनके खून में है। मैंने अपने डैडी को जाते देखा, मैंने अपने भाई को जाते देखा। मैंने इसे अपनी आंखों से देखा है और मेरी मां को भी। अपने भाई की मौत के बारे में पूछे जाने पर जैकी ने कहा कि मैं वहां था। मैं 10 साल का था। मैंने उन्हें देखा। उन्होंने कहा कि उन्हें वह घटना याद है और यह ऐसी चीज नहीं है, जिसे कोई भूल सके। यह आघात है, यह मन के अंदर है। मुझे नहीं पता कि यह कहां है। मैं इसे खोदना नहीं चाहता। यह अच्छी यादें हैं, जो मेरे साथ लंबे समय तक रहती हैं। जैकी ने कहा कि मुझे पता है कि यह एक दुखद बात है, लेकिन बहुत सारे लोग त्रासदी से गुजरते हैं। यह सामान्य है। यह कहना उचित है कि उनके भाई उनके लिए पहले हीरो थे। हमने एक ही बात सीखी है, हम किसी और को गर्माहट देने के लिए अपना घर जला सकते हैं। वह 17 साल के थे और मैं 10 साल का था। उन्होंने बहुत अच्छे काम किए। उन्होंने एक दोस्त के लिए अपनी जान दे दी, जो बहुत बड़ी बात है।

पत्थर की लकीर वाला सौदा मिला, 2000 साल से थी इसकी तलाश

हमारी धरती में अनगिनत राज छिपे हैं। जब भी वैज्ञानिक उन रहस्यों तक तक पहुंचते हैं तो हैरान करने वाली बातें सामने आती हैं। कुछ ऐसा ही इस बार भी हुआ। इजराइली पुरातत्वविदों ने यरूशलम में खुदाई के दौरान एक चॉकस्टोन स्लैब में उकेरी गई 2,000 साल पुरानी रसीद ढूंढ निकाली है। सचमुच यह पत्थर की लकीर वाला सौदा है। क्योंकि इस पर कारोबार से संबंधित बातें लिखी हुई हैं। इजराइल एंटिक्विटी अथॉरिटी ने फेसबुक पर इसका ऐलान किया। आईएए के मंत्री रब्बी अमीचाई एलियाहू ने कहा, यह रशीद 2000 साल पहले शहर में यहूदी समुदाय के लोग कैसे रहते थे, कैसे कारोबार करते थे, उनके बारे में बताता है। दरअसल, जिस जगह यह पत्थर मिला वह यरूशलम वॉल्स नेशनल पार्क की ओर जाने वाली मुख्य सड़क का हिस्सा है। यह सड़क सदियों पुरानी बताई जा रही है। एंटिक्विटी अथॉरिटी ने बताया कि 19 वीं शताब्दी के अंत में ब्रिटिश पुरातत्वविदों, ब्लिस और डिकी ने इस टनल की खोज की थी। जब यहां खुदाई चल रही थी तो कई पुरातात्विक अवशेष मिले। यह उस समय का है जब रोम के लोगों ने इस इलाके पर कब्जा कर लिया था। इसे महत्वपूर्ण वित्तीय रिकॉर्ड माना गया है। यह एक प्रकार के संदूक का हिस्सा लगता है, जिसमें अक्षर और संख्या को मिलाकर हिब्रू भाषा में लिखा गया है। इससे यह भी पता चलता है कि तब भी लोग हिब्रू का इस्तेमाल करते थे। पुरातत्वविदों के मुताबिक, ऐसा लगता है कि किसी कारोबारी ने सामान का ऑर्डर दिया हो। क्योंकि पहले कुछ सामान लिखा हुआ है और फिर सामने उसकी कीमत। एक पंक्ति के लिए 'शिमोन' शब्द का इस्तेमाल किया गया है। जबकि पैसे के लिए हिब्रू अक्षर 'मेम'। पुरातत्वविदों ने निष्कर्ष निकाला कि शिलालेख या तो एक रसीद या भुगतान निर्देश था जो व्यावसायिक गतिविधि में शामिल किसी व्यक्ति द्वारा उकेरा गया था। दूसरे शब्दों में कहें कि यह सौदा पत्थर की लकीर था। यह साफ बताता है कि इतने पुराने समय में भी लोग रसीद के बारे में परिचित थे। यह रसीद उस समय की रोजमर्रा की जिंदगी की एक झलक दे सकती है।

अजब-गजब इस आइसक्रीम की कीमत इतनी कि कार भी आ जाए

ये है दुनिया की सबसे महंगी आइसक्रीम

गर्मी के दिनों में आइस्क्रीम लोगों को खूब पसंद आती है। मगर आमतौर पर इसकी कीमत 100-200 या 400 तक होती है। लेकिन क्या आप कभी इसके लिए 5.2 लाख रुपये देने को तैयार होंगे? सुनने में यह अविश्वसनीय लग सकता है, लेकिन जापान की एक कंपनी ने दुनिया की सबसे महंगी आइसक्रीम तैयार की है, जिसकी कीमत 873,400 जापानी येन यानी लगभग 5.2 लाख रुपये है। इतने पैसे में तो आप एक कार तक खरीद सकते हैं।

आइसक्रीम बनाने वाली जापानी कंपनी ब्रांड सेलैटो ने बताया कि इसे दुर्लभ चीजों से तैयार किया गया है, इसलिए इसकी कीमत इतनी ज्यादा है। गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड के मुताबिक, इसमें इटली से आने वाला दुर्लभ सफेद ट्रफल अल्बा डाला गया है। इसकी कीमत 2 मिलियन जापानी येन यानी लगभग 11.9 रुपये प्रति किलो है। इसके अलावा पार्मिगियानो रेजिगो और सेक ली भी मिलाया गया है। यह दोनों भी काफी महंगे मिलते हैं।

कंपनी के मुताबिक, उनका उद्देश्य केवल सबसे महंगी आइसक्रीम बनाना नहीं था। दरअसल वे चाहते थे कि यूरोप और जापान के दुर्लभ चीजों को मिलाकर एक लोकप्रिय फूड तैयार करें। लेकिन बनाते-बनाते इसकी कीमत इतनी ज्यादा हो गई। सेलैटो ने इस आइसक्रीम को बनाने के लिए ओसाका के एक लोकप्रिय फ्यूजन रेस्तरां रिवी के प्रमुख शेफ ताडायोशी यामादा को काम पर रखा है। सेलैटो के एक प्रतिनिधि ने बताया कि इसमे बनाने में 1.5 साल से अधिक का समय लगा। स्वाद को ठीक करने के लिए बहुत सारे परीक्षण किए गए। त्रुटियां हुईं तो उन्हें दुरुस्त किया गया।

सेलैटो की वेबसाइट के अनुसार, कंपनी के कर्मचारियों ने ही इसका स्वाद पहली बार चखा और इसे सर्वोत्तम बताया। सफेद ट्रफल की मजबूत सुगंध आपके मुंह और नाक को भर देती है। इसके बाद पार्मिगियानो रेजिगो का जटिल और फल स्वाद आता है। सेक ली शानदार स्वाद को अनुभव करता है। कंपनी इसके अलावा शैम्पेन और कैवियार सहित बेहतरीन सामग्री के अन्य संयोजनों के साथ नया आइस्क्रीम उतारने के बारे में भी सोच रही है। ट्विटर पर जब से गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड ने शेयर किया है लोग अचंभे में हैं।

सुप्रीम कोर्ट से अडानी को राहत, कांग्रेस को झटका

» हिंडनवर्ग मामले में अडानी की भूमिका संदिग्ध नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कुछ महीने पहले हिंडनवर्ग की एक रिपोर्ट ने भारत में तहलका मचा दिया था। देश के सबसे अमीर आदमी गौतम अडानी की कंपनियों में भूचाल आ गया था और उसके साथ ही देश की राजनीति में भी कोहराम मच गया था। हालात यह हो गया था कि देश की संसद कई दिनो ठप रही और कांग्रेस अडानी के बहाने प्रधानमंत्री मोदी पर लगातार हमला करती रही।

ऐसा करके कांग्रेस पहली बार इस मामले में प्रधानमंत्री को घेरने में क़ामयाब होती नजर आ रही थी। पर सुप्रीम कोर्ट के प्रथम दृष्टया फैसले के बाद अब एक बार फिर खेल में बदलाव हुआ है। दरअसल इस कहानी के पीछे 2024 का लोक सभा चुनाव है कांग्रेस किसी भी क़ीमत पर मोदी के चेहरे पर दाग लगाना चाहती है और उसको लगता है ही अडानी के मामले में उसे ट्रंप का एक पत्ता मिल गया है। मगर अब हालात एकबार फिर अडानी के पक्ष में होते हुए नज़र आ रहे हैं ये सारा मामला सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित विशेषज्ञ समिति की रिपोर्ट के सार्वजनिक हो जाने के बाद हुआ। कांग्रेस ने देश भर में मोदी और अडाणी के रिश्तों को लेकर हंगामा शुरू कर दिया था तब संसद का कामकाज ठप हो गया था, तब सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की गई थी।

सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने बनायी थी कमेटी

वर्तमान चीफ़ जस्टिस दवाब में आने वाले व्यक्ति नहीं हैं और जब उन्होंने इस मामले में याचिका सुनने का मन बनाया तो सरकार को भी पसीने आ गए थे। सुप्रीम कोर्ट ने सरकार को दरकिनार कर खुद ही कमेटी बनाया और नाम तय किए। तब ऐसा लगा कि अब अडानी और मोदी के बुरे दिन शुरू हो गए। कमेटी में जो नाम सामने आए एक तो उनकी छवि अच्छी थी और उसमें से कुछ लोग ऐसे थे जो राहुल गांधी और कांग्रेस के काफ़ी क़रीबी थे। इसमें पहला नाम जस्टिस मनोहर का था वे सुप्रीम कोर्ट से 2019 में रिटायर हुए थे, उनकी छवि भी सख्त जज की रही थी। कमेटी में दूसरा नाम जस्टिस देवधर का था उन्होंने क़ानून की पढ़ाई मुंबई से की है जबकि 1982 यूनियन ऑफ़ इंडिया के वक़ील रहे हैं और 1985 से वो आयकर विभाग के वक़ील रहे हैं यह वही दौर था, तीसरा नाम नंदन नीलेकणी का है जो इंफोसिस के सह संस्थापक और गैर कार्यकारी अध्यक्ष रहे हैं जिन्हें गांधी परिवार बेहद पसंद करता है और वे 2006 में पद्म भूषण से भी सम्मानित किये जा चुके हैं। अगला नाम के वी कामथ का रहा है वे ब्रिक्स देशों के न्यू डेवलपमेंट बैंक के प्रमुख और आईसीआईसीआई बैंक के संस्थापक और पूर्व निदेशक रहे हैं। अगला नाम ओ पी भट्ट का है जो 2006-से 2011 तक एबीआई के अध्यक्ष रहे थे इसके अलावा सोमशेखर सुंदेरसन को भी वित्तीय क्षेत्र जैसे जगहों पर उन्हें विशेषज्ञता हासिल है इन सारे जजों का परिचय मैंने आपको इस ये कराया क्योंकि लोग मान रहे थे ऐसी कमेटी सिर्फ़ चंद्रचूड़ ही बना सकते हैं।

हिंडनवर्ग के आरोपों को किया खारिज

सुप्रीम कोर्ट ने इस कमेटी को रिपोर्ट देने को कहा और साथ ही सेबी को भी आदेश दिया की वो अपनी रिपोर्ट कोर्ट को दाख़िल करे। पिछले दिनों सेबी ने कहा कि यह मामला काफ़ी बड़ा है और उसे इसके लिए छह महीने का समय चाहिए मगर कोर्ट ने उसे सिर्फ़ 3 महीने का समय दिया इस बीच इस विशेषज्ञ कमेटी ने अपनी रिपोर्ट सौंप दी और यह रिपोर्ट सार्वजनिक हो गई इस रिपोर्ट में अडानी समूह को बड़ी राहत दे दी इस रिपोर्ट में कहा गया कि अडानी समूह ने सभी लाभकारी मालिकों का खुलासा किया है और सेबी ने ऐसा कोई आरोप नहीं लगाया है कि वह अडानी के लाभकारी मालिकों की घोषणा को ख़ारिज कर रहे हैं। हिंडनवर्ग की रिपोर्ट आने के बाद अडानी की रिटेल हिस्सेदारी में इज़ाफ़ा हुआ है रिपोर्ट में साफ़ तौर पर कहा गया है कि मौजूदा नियमों कानूनों का प्रथम दृष्ट्या किसी प्रकार का उल्लंघन नहीं पाया गया है।

HINDENBURG RESEARCH

सेबी को नहीं मिली विदेशी योगदाकर्ताओं की जानकरी

रिपोर्ट में यह भी कहा गया है की सेबी के पास अभी भी 13 विदेशी संस्थाओं और बयालीस योगदानकर्ताओं के बारे में भी पर्याप्त जानकारी नहीं है इसलिए से भी तय करें कि इसमें और क्या मामला सामने हैं। रिपोर्ट में इडी के मामले का उल्लेख करते समय सेबी ने प्रथम दृष्ट्या कोई आरोप नहीं लगाया है। इस रिपोर्ट में अडानी समूह के शेयरों में आर्टिफिशियल ट्रेडिंग का कोई पैटर्न नहीं मिला है। कमेटी को शेयरों के मूल्यों में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी या एक ही पार्टी के द्वारा बार बार ट्रेडिंग के भी सबूत नहीं मिले हैं। मगर एक महत्वपूर्ण बात ये भी सामने आयी कि हिंडन वर्ग रिपोर्ट से पहले कुछ संस्थानों ने शॉर्ट पोज़ीशन ली, और मुनाफ़ा कमाया। यही आरोप हेडन द्वार पर लगा था कमेटी को ग़लत व्यापार का कोई रिकॉर्ड नहीं मिला। कमेटी ने यह भी माना कि शेयरों में रिटेल इन्वेस्टमेंट कई गुना बढ़ा और अडानी ग्रुप के द्वारा किए गए उपायों से स्टॉक मे भरोसा पैदा करने की कोशिश की गई।

जल्द आ जाएगा मानसून

दक्षिण-पूर्वी हिस्से में जल्द दस्तक की उम्मीद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दक्षिण पश्चिम मानसून शुक्रवार को बंगाल की खाड़ी के दक्षिण पूर्व हिस्से, निकोबार द्वीप समूह और दक्षिण अंडमान सागर की ओर पहुंचा। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने यह जानकारी दी।

मौजूदा परिस्थितियों से कृषि प्रधान देश भारत में चार महीने के बरसात के मौसम के लिए माहौल बन गया है। आईएमडी ने कहा कि दक्षिण-पश्चिमी मानसून ने दक्षिणी-पूर्वी बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्सों, निकोबार द्वीपसमूह और दक्षिणी अंडमान सागर पर गरज-बरस दिखाई है। मौसम कार्यालय ने इस सप्ताह की शुरुआत में कहा था कि केरल में

मानसून के आने में एक जून की सामान्य तिथि से थोड़ा समय लगेगा। अगले 3-4 दिनों में इन क्षेत्रों में दक्षिणी-पश्चिमी मानसून के बढ़ने की उम्मीद है। अच्छे मानसून से खेतों की सिंचाई से लेकर जल संचय तक की समस्याओं का समाधान होगा।

नोट बंद करने से भ्रष्टाचार पर रोक लगेगी : चंद्रबाबू

» 2,000 रुपए के नोट के रोक पर वार-पलटवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। 2,000 रुपए के नोट चलन से बाहर होने के बाद विपक्षी पार्टियां लगातार मोदी सरकार पर हमलावर बनीं हुई है। लेकिन आंध्र प्रदेश के पूर्व सीएम और तेलगु देशम पार्टी (टीडीपी) प्रमुख चंद्रबाबू नायडू ने आरबीआई के फैसेल का स्वागत किया है। उनका कहना है कि 2,000 रुपए के नोट को बंद करना एक अच्छा संकेत है।

आंध्र प्रदेश में एक जनसभा को संबोधित करते हुए नायडू ने कहा कि, 2,000 रुपए के नोटों पर प्रतिबंध लाने का निर्णय निश्चित रुप से एक अच्छा संकेत है। मैंने तो बहुत पहले ही डिजिटल करेंसी पर एक रिपोर्ट प्रस्तुत की है और नोटों को रद्द करने से निश्चित रुप से भ्रष्टाचार पर रोक लगेगी।

चंद्रबाबू नायडू ने का कि, चुनावों के दिनों में राजनेता वोटर्स को लुभाने के लिए पैसे देकर इलेक्शन जीतने का प्रयास करते हैं और इसके लिए 2,000 रुपए के नोट की बड़ी भूमिका रहती है। अब नोट बंद होने से इसके काफी हद तक रोका जा सकता है। अ

बाजार में क्यों नहीं दिखता 2000 का नोट : खाबरी

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष बृज लाल खाबरी ने कहा कि दो हजार नोट के मामले में सरकार को यह निर्णय क्यों लेना पड़ा। इसकी वजह बताई जाए। सरकार यह भी बताए कि दो हजार के नोट कहां गए। यह मार्केट में क्यों नहीं दिख रहे हैं।

नोट वापस लेने के कदम बेतुका : बीआरएस

तेलंगाना में सत्तारूढ़ भारत राष्ट्र समिति ने आरबीआई द्वारा 2,000 रुपये के नोट को चलन से बाहर करने की घोषणा को लेकर मोदी सरकार की आलोचना की। बीआरएस के प्रवक्ता श्रवण दासोजू ने एक वीडियो संदेश में कहा, कि भारत सरकार का 2,000 रुपये के नोट को चलन से बाहर करने का फैसला पूरी तरह से बेतुका और अतार्किक है। वास्तव में नरेन्द्र मोदी ने साबित किया है कि वह एक अक्षम प्रधानमंत्री हैं और 2016 में की गयी नोटबंदी पूरी तरह से विफल थी। नोटबंदी को बड़ा 'घोटाला करार देते हुए दासोजू ने मोदी से सवाल किया कि 2016 में नोटबंदी के दौरान दिए गए उन बयानों का क्या हुआ, जिनमें कहा गया था कि इससे "काले धन और आतंकवादियों की घुसपैठ पर लगाम लगेगी।

'क्या फिर से ब्लैक मनी आ गई, बताए मोदी सरकार'

भारतीय रिजर्व बैंक ने 2 हजार रुपये के नोट को सितंबर 2023 के बाद चलन से बाहर करने की घोषणा की है। आरबीआई इस घोषणा को लेकर राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने केंद्र की मोदी सरकार पर निशाना साधा। सीएम अशोक गहलोत ने कहा कि आपने 1000 रुपए का नोट बंद कर 2000 का नोट लाए। 2 हजार के नोट से ब्लैक मनी बनाने के ज्यादा चांस होते है। तब आपने 500 और 1000 के नोट बंद क्यों किए। ये रहस्य बना हुआ है। अब आपने 2000 रुपये का नोट बंद क्यों किया?

राजस्थान की उम्मीदें कायम, पंजाब का सफर खत्म

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग 2023 के 66वें मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स ने शिखर धवन की कप्तानी वाली पंजाब किंग्स को 4 विकेट से हराया। इस मैच में मिली हार के साथ पंजाब किंग्स का टूर्नामेंट का सफर खत्म हुआ, जबकि राजस्थान रॉयल्स ने जीत दर्ज कर 14 अंक के साथ प्वाइंट्स टेबल पर 5वां स्थान हासिल किया।

मैच में पंजाब किंग्स के कप्तान शिखर धवन ने एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम किया। आईपीएल में ये कारनामा करने वाले धवन पहले बल्लेबाज बने।

पंजाब किंग्स के कप्तान शिखर धवन आईपीएल इतिहास में सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में दूसरे स्थान पर है। उन्होंने 6,616 रन बनाए हैं और इस दौरान

उनके बल्ले से कुल 750 चौके निकले हैं। धवन आईपीएल में सबसे ज्यादा चौके लगाने वाले पहले बल्लेबाज बन गए हैं। दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स का मुकाबला चेन्नई सुपरकिंग्स से होगा। दूसरे नंबर पर दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान डेविड वॉर्नर हैं, जिन्होंने 639 चौके लगाए हैं। तीसरे स्थान पर आरसीबी के स्टार विराट कोहली है, जिनके नाम 630 चौके हैं। बता दें कि शिखर धवन ने आईपीएल 2023 में कुल 11 मैच खेलते हुए 373 रन बनाए, जिसमें 3 अर्धशतक शामिल रहे। उन्होंने इस सीजन कुल 49 चौके और 12 छक्के जड़े और वह 2 बार नॉट आउट रहे। 3 अर्धशतक के साथ उनका उच्च स्कोर 99 रन का रहा हैं।

सबसे ज्यादा चौके लगाने वाले बल्लेबाज

1.	शिखर धवन	750 चौके
2.	डेविड वॉर्नर	639 चौके
3.	विराट कोहली	630 चौके
4.	रोहित शर्मा	544 चौके

Contact for
Grills, Railing, Gate, Tin Shade,
Stairs and other fabrication

V K FABRICATOR
5/603 Vikas Khand, Gomti Nagar Lucknow -226010
Mob : 9918721708

कर्नाटक में कांग्रेस राज का आगाज

मंत्रिमंडल में जातीय समीकरण साधने की पूरी कोशिश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरू। मंत्री पद के साथ भी कांग्रेस ने जातीय समीकरणों को साधने की पूरी कोशिश की है। जी परमेश्वर, प्रियांक खरगे और केएच मुनियप्पा दलित समुदाय से आते हैं। वहीं केजे जॉर्ज अल्पसंख्यक-ईसाई समुदाय से, एमबी पाटिल लिंगायत समुदाय से, सतीश जारकिहोली एसटी वाल्मिकी वर्ग, रामालिंगा रेड्डी रेड्डी समुदाय से और बीजेड जमीर अहमद खान अल्पसंख्यक मुस्लिम समुदाय से आते हैं। मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने वाले सिद्धारमैया कुरुबा समुदाय से और डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार वोक्कालिगा समुदाय से ताल्लुक रखते हैं।

दिल्ली में तय हुए नाम

मंत्री पद के लिए नाम तय करने में भी कांग्रेस ने पूरा मंथन किया है और डीके शिवकुमार और सिद्धारमैया शुक्रवार रात को दिल्ली में मौजूद रहे और दोनों ने पार्टी आलाकमान के साथ संभावित मंत्रियों के नामों और उन्हें मिलने वाले विभागों पर चर्चा की। कर्नाटक में सीएम पद के शपथ ग्रहण समारोह के लिए कई विपक्षी नेताओं को न्योता दिया गया है। कांग्रेस कर्नाटक सीएम के शपथ ग्रहण समारोह के जरिए विपक्षी एकता का संदेश देने का कोशिश कर रही है। शपथ ग्रहण समारोह बेंगलुरु के श्री कांतीरावा स्टेडियम में होगा। साल 2013 में भी सिद्धारमैया ने इसी स्टेडियम में सीएम पद की शपथ ली थी।

ऑल इज वेल का संदेश

कर्नाटक में मुख्यमंत्री शपथ ग्रहण समारोह में पहुंचे राहुल गांधी ने मंच पर सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार का हाथ पकड़ा। उन्होंने दोनों का हाथ एक साथ ऊपर उठाया। इस दौरान खूब जयकार के नारे लगे। राहुल गांधी ने इस सीन से यह संदेश दिया कि कांग्रेस में सब ठीक है। सिद्धारमैया और शिवकुमार दोनों मिलकर अच्छी सरकार चलाएंगे। दोनों के बीच कोई मतभेद नहीं है।

अगले 2 घंटे में पूरे कर देंगे सारे वादे : राहुल

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा कि हमने आपसे पांच वादे किए थे। उन्होंने एक-एक करके वादे याद दिलाए और कहा कि हम झूठे वादे नहीं करते हैं। जो कहते हैं, वह करते हैं। एक-दो घंटे में कर्नाटक सरकार की पहली कैबिनेट बैठक होगी। उस मीटिंग में पांचों वादों को लेकर कानून बन जाएंगे। जो हम कहते हैं, वह हम करते हैं। सरकार का लक्ष्य हमारे किसान, मजदूर, छोटे दुकानदार, युवाओं की रक्षा करना और उनके भविष्य को सुनहरा बनाना है। कर्नाटक के लोगों ने कांग्रेस को जो शक्ति दी है, उसे हम कभी नहीं भूलेंगे। यह सरकार कर्नाटक के लोगों की है। हम दिल से आपके लिए काम करेंगे।

सीबीआई ने टाइटलर के खिलाफ दायर की चार्जशीट

1984 दंगा मामले में आरोप पत्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जगदीश टाइटलर की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। 1984 सिख दंगों के मामले में सीबीआई ने जगदीश टाइटलर के खिलाफ चार्जशीट दाखिल कर दी है।

आरोप है कि जगदीश टाइटलर ने भीड़ को भड़काया, दंगे भड़काए. इसी भीड़ ने दिल्ली के पुल बंगश गुरुद्वारे में आग लगाई, जिसमें तीन सिख जलाकर मारे गए थे. जगदीश टाइटलर के खिलाफ सेक्शन 147, 148, 149, 153(ए), 188 आईपीसी और 109, 302, 295 और 436 सहित कई धाराओं में चार्जशीट दाखिल की गई है। पिछले महीने जगदीश टाइटलर का वॉयस सैंपल सीबीआई की सीएफएसएल लैब में लिया गया था। तब सीबीआई अधिकारियों ने बताया था कि एजेंसी को 39 साल पुराने सिख विरोधी दंगों के मामले में नए सबूत मिले हैं। इसके बाद टाइटलर की आवाज का नमूना लेने की जरूरत पड़ी। बता दें कि साल 1984 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की उनके सिख अंगरक्षकों द्वारा हत्या किए जाने के बाद देश में सिख समुदाय पर कथित तौर पर हिंसक हमले किए गए थे।

लालू यादव को मिली विदेश यात्रा की अनुमति

» सीबीआई कोर्ट ने पासपोर्ट रिलीज करने का दिया आदेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव की पासपोर्ट रिलीज करने की याचिका को रांची की विशेष सीबीआई कोर्ट ने स्वीकार कर लिया है। उनके वकील अनंत एस विज ने लालू यादव का पासपोर्ट जारी करने के संबंध में याचिका दायर की थी। किडनी ट्रांसप्लांट के बाद इलाज के लिए लालू प्रसाद यादव सिंगापुर जा सकते हैं।

बता दें कि लालू यादव चारा घोटाले के मामलों में जमानत पर हैं। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और राजद के अध्यक्ष लालू यादव ने सीबीआई कोर्ट से पासपोर्ट रिलीज करने की अनुमति मांगी थी, जिसे कोर्ट ने स्वीकार कर लिया है। इसके लिए उन्होंने अपने अधिवक्ता अनंत कुमार विज के माध्यम से याचिका दाखिल की थी। सीबीआई की स्पेशल कोर्ट में इस मामले की सुनवाई हुई, जिसके बाद कोर्ट ने लालू यादव का पासपोर्ट रिलीज करने का आदेश दे दिया। बता दें कि लालू यादव चारा घोटाला के अलग-अलग मामलों में दोषी करार दिए गए हैं। उन्हें हाईकोर्ट से बेल मिली है। फिलहाल वह जमानत पर हैं। जमानत की शर्त के मुताबिक, उनका पासपोर्ट कोर्ट में जमा रखा जाना है, लेकिन कोर्ट की अनुमति से ही वह अपना पासपोर्ट ले सकते हैं और इस्तेमाल कर सकते हैं।

कोर्ट ने सशर्त दी थी विदेश जाने की इजाजत

लालू यादव 11 अक्टूबर को किडनी का उपचार कराने सिंगापुर गए थे। कोर्ट ने उपचार कराने के लिए विदेश जाने की इजाजत सशर्त दी थी। कोर्ट ने लालू यादव को उपचार के लिए विदेश जाने की इजाजत देते हुए कहा था कि वे 25 अक्टूबर तक ही देश से बाहर रह सकते हैं। लालू यादव चिकित्सकों के साथ राय मशविरा करने के बाद 24 अक्टूबर की रात स्वदेश लौट आए थे। चारा घोटाला मामले में लालू यादव का पासपोर्ट कोर्ट में जमा था। पासपोर्ट की वैधता अवधि समाप्त होने का हवाला देते हुए नवीनीकरण के लिए इसे रिलीज करने की मांग की थी। लालू की अपील पर कोर्ट ने पासपोर्ट रिलीज कर दिया था। आरजेडी अध्यक्ष किडनी का उपचार कराने के लिए जल्द फिर से सिंगापुर जा सकते हैं।

फोटो: 4 पीएम

आग अमीनाबाद स्थित गड़बड़ झाले में कॉस्मेटिक की दुकान में लगी आग को बुझाते दमकल कर्मी।

केंद्र की एजेंसी राज हमें काम नहीं करने दे रही : ममता बनर्जी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कलकत्ता। बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने एक बार फिर केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने आरोप लगाया है कि केंद्र की एजेंसी उन्हें काम नहीं करने दे रही है। ममता का यह आरोप ऐसे समय में आया है जब तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के नेता अभिषेक बनर्जी स्कूल भर्ती घोटाले की जांच को लेकर सीबीआई के कोलकाता स्थित कार्यालय में पेश हुए हैं।

उन्होंने कहा कि ट्वीट कर कहा कि केंद्र में सत्तावादी सरकार के एजेंसी राज ने हमारे काम को चुनौतीपूर्ण बना दिया है। फिर भी लाखों लोग हमारे साथ हैं। ममता बनर्जी ने एक अन्य ट्वीट में कहा कि इसी दिन साल 2011 में हमने 34 साल पुराने राक्षसी शासन को बदलने और पश्चिम बंगाल में मा, माटी, मानुष (माता, पृथ्वी और लोग) सरकार की शुरुआत करने की शपथ ली थी। बनर्जी ने जनता के हित को लेकर प्रतिज्ञा दोहराई। उन्होंने कहा कि आज हम प्रतिज्ञा को दोहराते हैं और फिर से जनता के हित के लिए खुद को समर्पित करते हैं। केंद्र में सत्तावादी सरकार का एजेंसी राज हमारे काम को चुनौतीपूर्ण बनाता है, लेकिन देश में लाखों लोग हमारे साथ हैं।

बोलीं- देश में लाखों लोग हमारे साथ

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।